सांध्य दैनिक
4PM

कोई भी क्रोधित हो सकता है। यह आसान है, लेकिन सही व्यक्ति से सही सीमा में सही समय पर और सही उद्देश्य के साथ सही तरीके से क्रोधित होना सभी के बस की बात नहीं है और यह आसान नहीं है।
-अरस्तु

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 91 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 6 मई, 2023

बृजभूषण के खिलाफ 7 पहलवानों... 8 | मणिपुर में हिंसा, चूक यो... 3 | खरगे परिवार की हत्या की साजिश... 7

कर्नाटक चुनाव में बजरंग जाप

सोनिया, खरगे, योगी, प्रियंका से लेकर भूपेश ने डाला डेरा

» बेंगलुरु में पीएम मोदी का मेगा रोड शो
» कोर्ट का रोड शो पर रोक लगाने से इनकार
» कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक का चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। नेताओं के तीखे बोल अब जहर,सांप, शिव, नालायक, विषकन्या, बजरंग दल, तुष्टीकरण, ध्रुवीकरण, बजरंग बली से होते हुए कोर्ट का चक्कर लगाकर एक बार फिर सड़क पर आ गया है। जहां पीएम मोदी बंगलुरु में रोड शो के जरिये राज्य के विधानसभा की दूरी नाप कर सत्ता को दुबारा कब्जाने की कोशिश में लगे हैं तो कांग्रेस बोम्मई सरकार के भ्रष्टाचार पर वार करके सत्ता को अपने पाले में लाने की जुगत में लगी। दोनों दल अब बजरंग जाप में लग गए हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट से हरी झंडी मिलने के बाद बेंगलुरू में पीएम मोदी का रोड शो शुरू हो चुका है। 26 किमी लंबे इस रोड शो के लिए बीजेपी समर्थकों में काफी उत्साह है। एक दिन पहले शुक्रवार (5 मई) को हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने मौखिक रूप से स्पष्ट किया कि कोई अप्रिय घटना होने पर आयोजक जिम्मेदार होंगे, चाहे वे किसी भी दल के हों। हालांकि, यह टिप्पणी आदेश का हिस्सा नहीं थी

जस्टिस कृष्णा एस दीक्षित और जस्टिस विजयकुमार ए पाटिल की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा, आदर्श रूप से कहें तो, हम उठाए गए विषय में राजनीतिक दल की अनुपस्थिति में मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर देते। हालांकि, हमने उस स्थिति को नहीं चुना है, क्योंकि याचिकाकर्ता ने निर्धारित कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का दावा छोड़ दिया।

प्रियंका गांधी तेलंगाना से लड़ेंगी लोकसभा का चुनाव!

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस बड़े गेम प्लान की तैयारी कर रही है. कहा जा रहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी को चुनावी राजनीति में उतारने जा रही है। इसके लिए वह अपनी दादी इंदिरा गांधी के नक्शेकदम पर चलते हुए तेलंगाना से चुनाव लड़ सकती हैं।उन्हें मेदक या महबूबनगर लोकसभा सीट से मैदान में उतारा जा सकता है।अगर पार्टी प्रियंका गांधी का नाम फाइनल करती है तो वह तेलंगाना से अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत करेंगी। तेलंगाना कांग्रेस परिवार के लिए नया राज्य नहीं है। 1980 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी ने मेदक सीट से जीत हासिल की थी और सत्ता में वापसी की थी। 1980 का चुनाव इंदिरा गांधी के लिए बहुत की मुश्किल चुनाव था। इसके पहले इमरजेंसी के बाद इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 1977 का चुनाव बुरी तरह हारी थीं. खुद इंदिरा रायबरेली सीट से चुनाव हार गई थी। तेलंगाना में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं. कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि अगर ये घोषणा की जाती है कि प्रियंका तेलंगाना से चुनावी शुरुआत करेंगी तो इसका असर वोटर पर पड़ सकता है. विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन का असर लोकसभा में निश्चित ही दिखाई देगा।

काम नहीं करेगा मोदी फैक्टर, कांग्रेस जीतेगी 100 से अधिक सीटें : शिवकुमार

कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख डी के शिवकुमार ने शनिवार को विश्वास जताया कि उनकी पार्टी 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में 140 से अधिक सीटें जीतेगी। मुख्यमंत्री पद के मुद्दे पर पार्टी जो भी फैसला करेगी, वह उसका पालन करेंगें शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस को कर्नाटक में एक स्पष्ट बहुमत मिलेगा। यह जीत लोकसभा चुनाव के लिए दरवाजे खोलेगी, जैसा कि 1978 में राज्य में पार्टी की जीत से हुआ था। कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख ने विधानसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में समान नागरिक संहिता और एनआरसी जैसे मुद्दों को उठाने के लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह राज्य के लिए उनके विचारों और दृष्टि का दिवालियापन दिखाता है। चूंकि भाजपा के पास कर्नाटक के लिए कोई एजेंडा और विजन नहीं है,इसलिए इस बार मोदी फैक्टर काम नहीं करेगा।

मीडिया ने बनाई कांग्रेस में अंदरूनी कलह की कहानी

शिवकुमार, जो कांग्रेस के सत्ता में आने की स्थिति में पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के साथ मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार हैं, ने कहा कि पार्टी में अंदरूनी कलह की सभी कहानियां मीडिया द्वारा बनाई गई हैं और उनमें कोई सच्चाई नहीं है। तथ्य यह है कि कांग्रेस नेतृत्व एकजुट है और पार्टी कार्यकर्ता हमारे संदेश को जमीन और सोशल मीडिया दोनों पर फैलाने में बहुत सक्रिय हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए एक संयुक्त प्रयास कर रहे हैं कि कांग्रेस स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में वापस आए। खुद को मुख्यमंत्री पद का प्रबल दावेदार बताते हुए शिवकुमार ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि पार्टी कर्नाटक में बहुमत हासिल करे। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से कांग्रेस पार्टी कर्नाटक टीकाकरण अभियान से शुरू होकर, 100 नॉट आउट अभियान के बाद मेकेदातु अभियान से लेकर स्वतंत्रता मार्च तक और कांग्रेस पार्टी के 78 लाख सदस्यों को पंजीकृत करने के लिए जमीन पर काम कर रही है। फिर हमने भारत जोड़ो यात्रा को कर्नाटक में सफल बनाया।

सेना ने तेज की घेराबंदी, दो आतंकियों को उतारा मौत के घाट

» राजौरी में एक आतंकी मरा, एक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू -कश्मीर में राजौरी व बारामुला में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में शुक्रवार को हुए आतंकी हमले के बाद सेना ने घेराबंदी तेज कर दी। शनिवार को सेना ने राजौरी में एक आतंकवादी को मार दिया है जबकि एक अन्य घायल बताया जा रहा है। वहीं, बारामुला के करहामा कुंजर इलाके में सुरक्षाबल और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर हो गया है। इस मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर हो गया है। इस आतंकी के तार लश्कर से जुड़े हैं।

राजौरी में सेना के जवानों ने एक आतंकी मार गिराने में सफलता हासिल की है जबकि एक अन्य आतंकी घायल हो गया है। अभी भी राजौरी के कंडी जंगल में मुठभेड़ चल रही है। आतंकी के पास से 1एक एके 56 रायफल, चार मैग्जीन, कुछ कारतूस, एक 9 एमएम की पिस्टल, 3 ग्रेनेड और विस्फोट सामग्री मिली है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दौरे पर

स्थिति का जायजा लेने के लिए अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राजौरी पहुंचे। शनिवार को घाटी में जारी मुठभेड़ का जायजा लेने के लिए वह राजौरी का दौरा करेंगे। घाटी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थिति गंभीर बनी हुई है। जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन के बीच आतंकी गतिविधियां बढ़ गई हैं और उन्हीं के खात्मे के लिए सेना ऑपरेशन ऑल आउट चला रही है। अब इसी ऑपरेशन का जायजा लेने खुद रक्षा मंत्री पहुंचे।

'मन की बात' सुनने नहीं पहुंचे बच्चे तो लगा दिया फाइन

» स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक स्कूल ने रविवार को मन की बात कार्यक्र म के लिए स्कूल नहीं पहुंचने वाले बच्चों से 100 रुपये फाइन लाने या फिर मेडिकल प्रमाणपत्र जमा कराने का आदेश जारी किया है। स्कूल प्रबंधन की ओर से इस संबंध में स्कूल के वॉट्सऐप ग्रुप में आदेश जारी किए गए हैं।

देहरादून के जीआरडी निरंजनपुर एकेडमी पर पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने स्कूल नहीं पहुंचे छात्रों से 100 रुपये फाइन वसूलने का आरोप लगा है। इस संबंध में नेशनल एसोसिएशन फॉर पैरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरिफ खान ने मुख्य शिक्षा अधिकारी देहरादून को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।

तीन दिन में मांगा जवाब

शिक्षा विभाग ने स्कूल को नोटिस जारी करते हुए तीन दिन में जवाब मांगा है। आरिफ खान ने बताया कि जीआरडी एकेडमी ने उन बच्चों को 100 रुपये फाइन लाने या फिर मेडिकल प्रमाणपत्र जमा कराने का आदेश जारी किया है, जो रविवार को मन की बात कार्यक्रम के लिए स्कूल नहीं पहुंचे थे। स्कूल प्रबंधन ने इस संबध में स्कूल के वॉट्सऐप ग्रुप में आदेश जारी किए हैं।

भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया तो सरेआम फांसी पर लटकवा दें: केजरीवाल

प्रधानमंत्री मोदी को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दी चुनौती

» कहा-अगर मैं भ्रष्टाचारी तो कोई ईमानदार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि मैं तो पीएम मोदी को कहना चाहता हूं कि अगर मेरे खिलाफ एक पैसे का भी भ्रष्टाचार मिलता है तो वो मुझे सरेआम फांसी पर लटकवा सकते हैं। सीएम केजरीवाल ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां किसी भी तरीके से उन्हें सिर्फ चोर साबित करने में जुटी हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल पंजाब में आम आदमी पार्टी के मोहल्ला क्लिनिक के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। अरविंद केजरीवाल ने 16 अप्रैल को सीबीआई द्वारा की गई पूछताछ का भी जिक्र किया, सीबीआई ने शराब नीति को लेकर सीएम केजरीवाल को एक गवाह के तौर पर पूछताछ के लिए बुलाया था, इस मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री

सभी एजेंसियां मेरे पीछे हैं

सीएम केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने मेरे पीछे सीबीआई, इडी, इनकमटैक्स और पुलिस को लगा दिया है। आखिर क्यों? इसका सिर्फ एक मकसद और वो ये कि किसी भी तरीके से ये साबित कर सकें कि केजरीवाल चोर है। और वो भ्रष्टाचार में लिप्त है।

मनीष सिसोदिया अभी भी जेल में हैं। उन्होंने कहा कि मैं मोदी जी से सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि अगर केजरीवाल भ्रष्टाचारी है तो फिर इस दुनिया में कोई भी ईमानदार नहीं है। मैं आपको ये दावे से कहना चाहता हूं कि आपने जिस दिन मेरे खिलाफ एक पैसे का भ्रष्टाचार भी उजागर कर दिया, तो उसी दिन मुझे सरेआम फांसी पर लटका देना। तो ये रोज की नौटंकी और तमाशा बंद कीजिए।

भारत संविधान से चलेगा : संजय सिंह

नई दिल्ली। आप पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। संजय सिंह ने केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को लेकर तमाम सवाल उठाए। यहां संजय सिंह ने रोड शो कर आप प्रत्याशी के लिए लोगों से मतदान की अपील की। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में आम आदमी पार्टी के लिए अच्छा परिणाम आएगा, लोगों से में यह अपील कर रहा हूं न मोदी जी न योगी जी इस बार झाड़ू चलाइए, यह शहरों की सफाई का काम है। संजय सिंह ने कहा कि हमारी तीन गारंटी हैं हाउस टैक्स हाफ, वाटर टैक्स माफ और शहर में मोहल्ला क्लीनिक का निर्माण। इस दौरान आप पार्टी सांसद संजय सिंह ने दिल्ली में महिला रेसलर्स के धरने को लेकर कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री, दो कैबिनेट मंत्री और कई नेता धरने में जा रहे हैं, लेकिन पूरे मामले पर भारत के प्रधानमंत्री खामोश हैं। एक वीडियो में वो विनेश फोगाट को अपनी बेटी और अपने परिवार का सदस्य बताते हैं और उसी बेटी के साथ पुलिस बदसलूकी कर रही है। सांसद ने कहा कि भारत संविधान से चलेगा, भारत का संविधान सक्षम है अपराधियों को सजा देने के लिए, लेकिन अगर सत्ता की सांठ-गांठ रहती है तो अपराधियों को सजा मिलना मुश्किल हो जाता है।

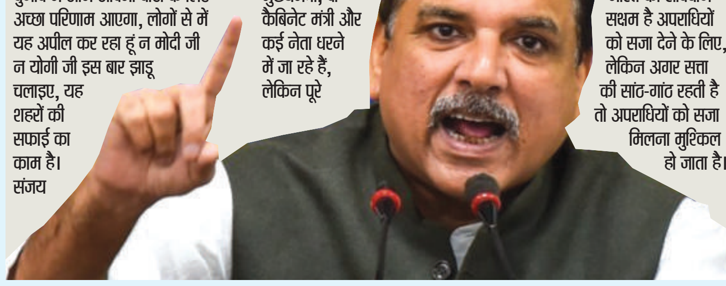

पार्टी में सब ठीक है : पवार

» एनसीपी के नेताओं के अन्य दलों में शामिल होने की बात अफवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने यू-टर्न ले लिया है। उन्होंने एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। अब शरद पवार ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा जा रहा था कि भतीजे अजित पवार उनसे नाखुश हैं और पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं। पवार ने कहा कि जिस दौरान फैसला किया गया कि उन्हें ही पार्टी प्रमुख रहना चाहिए, उस समय एनसीपी के सभी नेता उत्तराधिकार समिति की बैठक में उपस्थित थे। उन्होंने आगे कहा कि जरूरी नहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी नेता मौजूद रहें।

शरद पवार ने कहा कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई है कि कोई एनसीपी नेता अन्य दलों में शामिल होना चाहता है। उन्होंने कहा कि अगर कोई जाना चाहता है, तो कोई किसी को नहीं रोक सकता। हालांकि, इसमें कोई सच्चाई नहीं है कि हमारी पार्टी के लोग

बाहर जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के विभिन्न स्तरों पर नए नेताओं को जिम्मेदारी और अवसर दिया जाने पर भी बात की गई है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जब कुछ नेताओं ने सुझाव दिया कि उनकी बेटी सुप्रिया सुले को अध्यक्ष बनाया जाए, तो सुप्रिया ने साफ इनकार कर दिया था। शरद पवार ने ये भी जानकारी दी कि उनके इस्तीफे की बात सिर्फ अजित पवार को पता थी। इसीलिए उन्होंने उनके फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अजित पवार उनसे या पार्टी से नाराज नहीं हैं।

नहीं सुधरे तो मप्र में हार निश्चित : विजयवर्गीय

» संगठन में गलतियां ही गलतियां, भाजपा ही भाजपा को हरा देगी

» नाइट कल्चर के नाम पर हो रहे गलत काम रोकने होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि मप्र में भारतीय जनता पार्टी को सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही हरा सकती है। यदि हमने संगठन की गलतियां ठीक नहीं कीं तो भाजपा ही भाजपा को हरा देगी। उनका यह बयान उस वक्त आया है जब मप्र में भाजपा अपने ही नेताओं को मनाने में लगी है।

हाल ही में मध्यप्रदेश में पूर्व मंत्री दीपक जोशी, वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन और पूर्व विधायक भंवर सिंह शेखावत के बगावती तेवर से भाजपा में सियासत गरमा गई है। विजयवर्गीय ने एक समाचार कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस में दम नहीं कि वह भाजपा को हरा सके। यह बात सही है

कि हममें कुछ कमियां हैं, हम उनको ठीक कर रहे हैं। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि आज की तारीख में मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ही जीतेगी। इस दौरान विजयवर्गीय ने नाइट कल्चर पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नाइट कल्चर के नाम पर जो नशा हो रहा है और संस्कृति विकृति में बदल रही है, उसका हमने विरोध किया है और करते रहेंगे। हम भी पहले खानपान के लिए जाते थे। राजबाड़ा स्थित अन्ना की पान की दुकान पर दरवाजा ही नहीं था। हम वहां जाकर पान-गुटखा खाते थे। जब पीएससी की तैयारी कर रहे थे तो स्टेशन पर पोहे खाने जाते थे। रात 2 बजे सराफा बंद हो जाता था तो सीधे स्टेशन चले जाते थे। इंदौर के हर नागरिक ने इन जगहों का आनंद लिया है। अब नाइट कल्चर के नाम पर जो भी हो रहा है वह गलत है और उसे रोकना ही होगा।

एमपी में भाजपा में हाईकमान जैसा कुछ बचा ही नहीं : रघुनंदन

भोपाल। पूर्व मंत्री दीपक जोशी के भाजपा छोड़कर कांग्रेस जॉइन करने के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा का बयान सामने आया है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में संगठन अपनी प्राथमिकताएं निर्धारित नहीं कर पा रहा है। इसी वजह से नुकसान हो रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा ने निवास पर मीडिया से बातचीत में कहा कि सचमुच में कहीं ना कहीं संगठन को जिन कामों को प्राथमिकता देना चाहिए, उनकी प्राथमिकताएं निर्धारित नहीं कर पा रहा है। सरकार में बैठे लोगों को भी कार्यकर्ताओं के कामों को जितनी गंभीरता से लेना चाहिए, उतनी गंभीरता से वे नहीं ले रहे हैं। इसका नुकसान हो रहा है। शर्मा ने कहा कि जहां भाजपा में अब हाईकमान जैसा बचा ही नहीं है। पार्टी में कोई हाईकमान है ही नहीं। पहले कुशाभाऊ ठाकरे और प्यारेलाल खंडेलवाल जैसे नेता थे, जो अंतिम निर्णय लेते थे। वे त्वरित विचार करके निर्णय लेते थे। उनके आदेश माने जाते थे और कार्यकर्ताओं को संतुष्ट करने का प्रयत्न होता था।

स्वार और छानबे उपचुनाव में विपक्ष मजबूत

» दोनों सीटों पर भाजपा की सहयोगी अपना दल के प्रत्याशी लड़ रहे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

स्वार में अपना दल के मुस्लिम और सपा के हिंदू कार्ड की परीक्षा

मुस्लिम बहुल स्वार सीट पर सपा ने हिंदु वोट बैंक को साधने के लिए अनुराधा चौहान को प्रत्याशी बनाया है। वहीं अपना दल ने शरीफ अहमद अंसारी को टिकट दिया है। बसपा और कांग्रेस ने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। अंसारी पसमांदा समाज से आते हैं। भाजपा प्रदेश से लेकर देशभर में पसमांदा समाज के वोट बैंक में सेंध लगाने का पुरजोर प्रयास भी कर रही है। आजम खां की ओर से स्वार सीट को लेकर खुली चुनौती के बाद भाजपा और अपना दल के लिए यह सीट प्रतिष्ठा का सवाल बन गई है। आगामी दिनों में सीएम योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक सहित सरकार के मंत्री वहां चुनावी दौरा कर सकते हैं।

लखनऊ। रामपुर की स्वार और मिर्जापुर की छानबे विधानसभा सीट पर उप चुनाव में कब्जा बचाने में अपना दल (एस) के साथ उसकी सहयोगी सत्तारूढ़ भाजपा की साख भी दांव पर है। प्रदेश में हो रहे निकाय चुनाव के शोरगुल में दो विधानसभा उप चुनाव का शोर हल्का पड़ गया है।

लेकिन, दोनों सीटों के नतीजे आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण होंगे। राजनीतिक हल्कों में चर्चा है कि स्वार और छानबे सीट पर प्रत्याशी भले ही अपना दल के हैं, लेकिन चुनाव के नतीजे भाजपा सरकार व संगठन के दृष्टिकोण से ही देखे जाएंगे। दोनों सीटों पर 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को निकाय चुनाव के साथ ही इन दोनों सीटों के परिणाम भी घोषित किए जाएंगे।

अपना दल के साथ ताकत लगाएगी भाजपा

भाजपा ने अब तक हुए उप चुनाव को सरकार और संगठन की प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाते हुए चुनाव जीतने में पूरी ताकत लगाई है। यही वजह है कि रामपुर लोकसभा, आजमगढ़ लोकसभा, रामपुर विधानसभा उप चुनाव में भाजपा को जीत मिली। हालांकि जफ्फरनगर की खतौली सीट पर भाजपा को शिकस्त का सामना भी करना पड़ा था। भाजपा ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को स्वार सीट का प्रभारी नियुक्त किया है। वहीं अपना दल से योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल छानबे की कमान संभाल रहे हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक निकाय चुनाव के पहले चरण का मतदान समाप्त होने के बाद अब भाजपा सरकार और संगठन पूरी ताकत के साथ स्वार और छानबे सीट पर हो रहे उपचुनाव में जुटेंगे।

मणिपुर में हिंसा, चूक या साजिश!

कांग्रेस ने कहा राजनीति कर रही भाजपा

» भाजपा ने आरोपों को नकारा

» मैतेई समुदाय पर हाईकोर्ट के फैसले से है नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के खूबसूरत राज्य मणिपुर में एक फैसले के बाद से चारों तरफ हिंसा का माहौल है और आग की लपटों से वहां का सौहार्द का ताना बाना टूट गया है। हालात ऐसे हो गए कि सेना को बुलाना पड़ गया। राज्यपाल को देखते ही गोली मारने के आदेश तक देने पड़ गए। हालांकि मुख्यमंत्री वीरेन सिंह व गृहमंत्री अमित शाह ने बातचीत करके स्थिति को काबू पर लाने के भरसक प्रयास किए और हालात काबू में आ गए। इन सबको लेकर सियासत भी गरमा गई हैं। जहां कांग्रेस ने बीजेपी पर अंग्रेजों की तरह सरकार चलाने का आरोप लगाया है वहीं बीजेपी ने आरोपों को खारिज कर दिया है। बॉक्सर मैरी कॉम ने भी ट्वीट कर मणिपुर को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगाई है।

मैतेई समुदाय को एसटी में शामिल करने से जुड़ी मांग के विरोध में 3 मई को मणिपुर में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर ने चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में एक रैली की थी। मणिपुर हाई कोर्ट ने वहां की सरकार को एक दिशा-निर्देश भी दिया था कि ये जो मैतेई समुदाय के लोग हैं और ये ज्यादातर इम्फाल वैली में रहते हैं, उन्हें एसटी वर्ग के अंदर आरक्षण दिया जाए। हाई कोर्ट के इसी निर्देश के विरोध में रैली निकाली गई थी। जब रैली समाप्त होने वाली थी तो वहां पर असामाजिक तत्वों ने बिश्नुपुर और चुराचांदपुर जिलों से लगे इलाकों में कुछ घरों को आग लगा दी। लेकिन यह माना गया है कि लगभग 100 से 200 घरों को जलाया गया है, इसके बाद रात में इस घटना से जो पीड़ित समुदाय के लोग थे उन्होंने हमला करना शुरू कर दिया और अभी तक सरकार की तरफ से औपचारिक तौर पर यह नहीं बताया गया है कि कितने लोगों की जानें गई हैं। लेकिन कुछ जानकारियां मिली हैं कि लगभग 12 से 20 लोगों की मौत हो चुकी है और 40 से अधिक लोग घायल हैं। ये दो समुदाय के लोगों के बीच का संघर्ष है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने लोगों से यह अपील की है कि शांति व्यवस्था को किसी भी तरह से भंग नहीं किया जाए, जिसने भी हिंसा फैलाई है, उन सभी आरोपियों को पकड़ा जाएगा। हालांकि उनकी पहचान और उन्हें पकड़ने में वक्त तो लग जाएगा। लेकिन जो परिस्थितियां उसे शांतिपूर्ण बनाने की उन्होंने अपील की है।

हिली और वैली एरिया को लेकर टकराव

मणिपुर बहुत ही छोटा सा राज्य है लेकिन बहुत ही संवेदनशील है, यहां पर लगभग 36 समुदायों के लोग रहते हैं, यहां की जो भौगोलिक परिस्थितियां हैं उसमें हिल का जो एरिया है वो महज 10प्रतिशत है और बाकी के जो वैली यानी का घाटी का एरिया है वो 90 प्रतिशत हैं। यहां पर यह रूल है कि जो लोग हिल यानी पहाड़ी इलाके में रहते हैं वो वैली इलाकों में भी जमीन खरीद कर रह सकते हैं और जो वैली में रहने वाले लोग हैं वो ऊपर यानी हिली एरिया में नहीं जा सकते है, इसलिए वैली में रहने वाले लोग इसकी मांग कर रहे हैं कि उन्हें भी एसटी वर्ग में आरक्षण दिया जाए। इसी को लेकर दोनों एरिया के समुदायों के बीच टकराव चल रहा है।

म्यांमार की वजह से भी है विवाद

ये जो वैली एरिया में लोग रहते हैं वे भी पहले अनुसूचित जनजाति यानी एसटी ही खुद को मानते थे, इनको मैतेई बोला जाता है, हिली एरिया में ज्यादातर दो समुदाय के लोग रहते हैं जिनको कूकी और नागा कहा जाता है। जब 1949 में भारत में ज्वाइन किया तो उस वक्त केंद्र सरकार ने जो इम्फाल में रहने वाले लोग थे उनको जनरल कैटेगरी में डाल दिया था, लेकिन जो लोग इम्फाल में रहते हैं उनमें से अधिकतर के घर हिली एरिया में हैं। चूंकि वैली एरिया जो है वो एक तरह से मिक्सचर है, मेट्रोपोलिटन जैसा है, इस वजह से वे लोग अपने गांव नहीं जा सकते हैं हिली एरिया में और ये जो हिल का एरिया है यहां पर म्यांमार से बहुत ज्यादा लोग आ रहे हैं, ऐसे में जो वहां के ओरिजनल लोग हैं, जो भारत के लोग हैं उनकी जगह वे एसटी कोटे का लाभ ले रहे हैं, जबकि मणिपुर के ओरिजनल सेटलमेंट के लोगों को कुछ भी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, इसलिए ये बहुत लंबी कहानी है और इसमें बहुत सारे एथनिक ग्रुप के लोग शामिल हैं। लोग इम्फाल में रहते हैं वे तो सिटी एरिया में रहते हैं और उन्हें वहां पर सभी तरह की सुविधाएं मिल रही हैं। इसलिए अगर इन्हें आरक्षण मिल जाएगा तो ट्राईब्स का जो कोटा है वह खत्म हो जाएगा। इसे लेकर दोनों समुदायों में कनफ्यूजन है। लेकिन अगर आप देखेंगे तो दोनों में कोई अंतर नजर नहीं आता है, त्रिपुरा में आप देखेंगे तो वहां पर बंगाली और ट्राइब्स दोनों एक ही साथ रहते हैं, जबकि मणिपुर में जो वैली एरिया है वहां पर सिर्फ जनरल कैटेगरी के लोगों को रखा गया है, इसे लेकर दोनों के बीच गलतफहमी है,हालांकि इसे आसानी से खत्म किया जा सकता है। लेकिन दिक्कत यह है कि यहां जो समस्याएं हैं उसमें राज्य सरकार कुछ भी नहीं कर पाती है। जो भी मुद्दे हैं कि कौन एसटी है और कौन नहीं ये सब केंद्र की तरफ से ही किया जाता है।

इतिहास में यह पहली बार दो समुदायों में संघर्ष

मणिपुर के इतिहास में यह पहली बार है जब दो प्रमुख समुदायों के बीच में संघर्ष चल रहा है। ये संघर्ष बहुत जल्द खत्म हो जाएगा क्योंकि दोनों समुदायों के बीच में जो भाईचारा है वह बहुत ही गहरा है, दोनों के बीच मानवीय जुड़ाव और भाषा भी एक जैसी ही है, हम सभी लगभग मणिपुरी भाषा ही बोलते हैं। अभी बहुत सारी अफवाहें भी उड़ रही हैं और ऐसा होने से जो नौजवान हैं उन्हें गुस्सा बहुत जल्दी आ जाता ह, इसलिए हिंसा की घटनाएं और नहीं बढ़ जाए, इसे रोकने के लिए इंटरनेट की सुविधा को रोक दी गई है और जो कर्फ्यू लगा है वो लगभग पूरे मणिपुर में लगाया गया है। केंद्र से भी सेंट्रल फोर्स के दो एरोप्लेन इम्फाल में आया है। चूंकि जितने भी प्रभावित इलाके हैं सभी जगहों पर तनाव की स्थिति बनी हुई है और आर्मी और असम राइफल्स के जवान भी लगे हुए हैं। वे वैसे इलाकों में लगे हुए हैं जहां पर जो पीड़ित समुदाय के लोग गांवों में फंसे हुए हैं उन्हें वहां से निकाल कर सुरक्षित जगहों पर ले जाया जा रहा है, मेरे हिसाब से लगभग 10000 से अधिक लोग पुलिस और आर्मी के प्रोटेक्शन में हैं।

परिवारों की मदद में उतरे असम के सीएम

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मणिपुर संकट पर चिंता जताई है और राज्य की हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हाल की घटनाओं से प्रभावित कई परिवारों ने असम में शरण ली है। मैंने कछार के जिला प्रशासन से इन परिवारों की देखभाल करने का अनुरोध किया है। मैं मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के साथ भी लगातार संपर्क में हूं और इस संकट की घड़ी में असम सरकार ने पूरा समर्थन देने का संकल्प लिया है।

प्रदेश जल रहा पीएम रैली में व्यस्त: नीता

मणिपुर में महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष नीता डिसूजा ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मणिपुर पिछले 4 दिनों से जल रहा है। क़ानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं बची। गवर्नर ने अपने ही नागरिकों के खिलाफ गोली मारने का आदेश दिया है। सोचिए ये लोग अंग्रेजों से भी आगे निकल गए हैं। वहीं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री कर्नाटक में नफरत फैलने में व्यस्त हैं।

राजनीति नहीं मानवीय संकट पर ध्यान दें

मणिपुर में इतनी बड़ी हिंसा के बाद भी केंद्र की तरफ से कोई स्टेटमेंट नहीं आया है। यही अगर यूपी और बिहार में इस तरह की घटना हुई होती तो केंद्र सरकार के गृह मंत्री और केंद्र सरकार कुछ न कुछ हल निकालने की कोशिश जरूर करते। ऐसा यहां के लोग बोल रहे हैं कि हमारी जो समस्याएं हैं उसे कोई सुनता भी नहीं है और कोई सुनने वाला भी नहीं है। सेंटर के कोई भी एक-दो लीडर को यहां आज तो आ जाना चाहिए था। वे यहां पर जो भी प्रभावित लोग हैं उनसे मिलकर उनकी समस्याएं सुनते और शांति बनाए रखने की अपील करते लेकिन अभी तक एक भी केंद्रीय नेता नहीं आए हैं। अभी 10 हजार से भी ज्यादा लोग इधर-उधर हैं, कर्फ्यू है, सब दुकान बंद है. हम लोग उनको खाना भी नहीं दे सकते है। बहुत सारे बच्चे बीमार हैं, इन सब तक मदद पहुंचनी चाहिए। सबसे जरूरी है कि पीड़ितों तक मदद पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित रखा जाए। सबसे पहली जिम्मेदारी सरकार की यही है। राजनीति तो बाद की बात है, पहले मानवीय संकट पर ध्यान देने की जरूरत है। हाईकोर्ट का निर्णय तो लीगल डिसिजन है, जो भी लोग मणिपुर हाईकोर्ट की बात का विरोध कर रहे हैं, वे लोग सुप्रीम कोर्ट जाकर अपील कर सकते थे, वो ज्यादा अच्छा था। मगर जिस तरह से उन्होंने रैली के जरिए विरोध प्रदर्शन किया, उससे काफी लोग प्रभावित हुए हैं। रैली संभाल कर करना चाहिए था। क्योंकि सोशल मीडिया पर जो वीडियो है उसमें हमने देखा है कि रैली में लोग हथियार लेकर आ रहे थे। इसमें कुकी मिलिटेंसी से जुड़े लोग आ रहे थे, इससे तनाव थोड़ा ज्यादा बढ़ गया। अभी कुकी और मैतेई समुदाय में टकराव है, जहां-जहां भी कुकी इलाके में मैतेई ज्यादा हैं या फिर मैतेई इलाके में कुकी ज्यादा हैं, वहां सुरक्षाबलों को अलर्ट पर रखा गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जेलों में भी नहीं तो कहां है सुरक्षा

“

दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी और देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाड़ जेल के अंदर चार कैदियों ने जिस तरह से एक अन्य कैदी की हत्या कर दी, वह न केवल हैरत में डालती है बल्कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। 20 दिन के अंदर तिहाड़ में यह दूसरे बड़े गैंगस्टर की हत्या है।

तिहाड़ में गैंगेसटर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या का वीडियो वायरल हो रहा है। उस वीडियो में दिखाई दे रहा है कि पुलिस की उपस्थिति में बदमाशों ने टिल्लू को गोद-गोद कर मार डाला। सबसे बड़ी बात है जब ये घटना घटित हो रही थी तो वहां एक नहीं पांच पुलिसकर्मी मौजूद थे। वीडियों में ऐसा लग रहा है जैसे वह खड़े तमाशा देख रहें है। इस घटना ने तिहाड़ जेल की सुरक्षा के साथ-साथ वहां के प्रशासन पर सवालिया निशान लगा दिएं हैं। शर्मसार करने वाली बात तो यह हैं अभी पिछले महीने भी इस तरह की घटना घटित हुई थी पर कोई सबक नहीं लिया गया और फिर एक जघन्य वारदात घट गई। 20 दिनों में जेल के भीतर ये दूसरी हत्या है। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी और देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाड़ जेल के अंदर चार कैदियों ने जिस तरह से एक अन्य कैदी की हत्या कर दी, वह न केवल हैरत में डालती है बल्कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। 20 दिन के अंदर तिहाड़ में यह दूसरे बड़े गैंगस्टर की हत्या है।

टिल्लू ताजपुरिया नाम के इस गैंगस्टर की हत्या से जुड़े डीटेल्स परेशान करने वाले हैं। इससे साफ हो जाता है कि यह हीट ऑफ द मोमेंट में अचानक की गई ऐसी हत्या नहीं है, जिसके बारे में किसी को भी पहले से कोई अंदाजा नहीं था और इसीलिए उसे रोकने के लिए कुछ करने का मौका नहीं मिला। यह जेल की सुरक्षा व्यवस्था की बारीकियों पर गौर करने के बाद सुनियोजित ढंग से अंजाम दी गई घटना लगती है। इस घटना से जुड़ी दोनों गैंगों के बीच की दुश्मनी कोई छिपी हुई बात नहीं थी, जो लंबे समय से चली आ रही थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि मारे गए गैंगस्टर को एक सप्ताह पहले सुरक्षा कारणों से ही मंडोली जेल से तिहाड़ लाया गया था। जाहिर है, इसके पीछे सोच यही रही होगी कि तिहाड़ जेल में वह ज्यादा सुरक्षित होगा। इसमें कुछ अस्वाभाविक भी नहीं था क्योंकि न केवल सुरक्षा की दृष्टि से बल्कि अन्य पैमानों पर भी तिहाड़ देश की सबसे मॉडर्न और सबसे अच्छी जेलों में गिनी जाती है। ऐसे में यह सवाल पूछा जाना लाजिमी है कि जब तिहाड़ जेल का यह हाल है तो बाकी जेलों की क्या स्थिति होगी। इस हत्या से जो दो गैंग जुड़े हैं, उनकी दुश्मनी की शुरुआत 2013 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक कॉलेज के स्टूडेंट यूनियन चुनाव से हुई बताई जाती है। उसके बाद इनके बीच हमलों और हत्याओं का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसमें अब तक दोनों गैंग सरगनाओं सहित 22 लोगों की जानें जा चुकी हैं। जिस तरह से यह गैंगवॉर चलती रही, उससे स्पष्ट है कि जेल के अंदर या बाहर होने, पुलिस हिरासत में होने, यहां तक कि अदालत परिसर में होने से भी इस पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिलावल को मिलेंगे कई भुट्टो भारत में

विवेक शुक्ला

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी 4-5 मई को गोवा में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (एससीओ) की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने भारत आएंगे। उनका विमान जब मुंबई के ऊपर से गुजर रहा होगा तो उन्हें अपने नाना जुल्फिकार अली भुट्टो के मुंबई से संबंधों को लेकर सुनी-पढ़ी बातें जेहन में आने लगेंगी। उन्होंने मुंबई के कैथडेरल स्कूल का नाम संभवत- अपनी मां बेनजीर भुट्टो से सुना होगा। जब पाकिस्तान 1947 में बना तब तक बिलावल के नाना जुल्फिकार अली भुट्टो कैथडेरल स्कूल से पढ़कर निकल चुके थे। भुट्टो परिवार पाकिस्तान 1947 में नहीं गया था। मुसलमानों के लिए बने पाकिस्तान में भुट्टो खानदान 1950 में शिफ्ट हुआ था। भुट्टो कुनबे के राजनीतिक दुश्मन इस मुद्दे पर उनकी पाकिस्तान को लेकर निष्ठा पर सवाल उठाते रहते हैं। इस निशाने से बचने के लिए भुट्टो कुनबा भारत का कसकर विरोध करता है।

दरअसल, जब गांधी जी की 1948 में हत्या हुई तब जुल्फिकार अली भुट्टो अमेरिका में पढ़ रहे थे। संयोग से वहां पर पीलू मोदी भी थे। बिलावल भुट्टो को यह जानकारी होगी कि उनके नाना की मां हिंदू थी। उनका निकाह से पहले नाम लक्खीबाई था। बाद में हो गया खुर्शीद बेगम। वो मूलत- राजपूत परिवार से संबंध रखती थी। उन्होंने निकाह करने से पहले ही इस्लाम स्वीकार किया था। जुल्फिकार अली भुट्टो के पिता सर शाहनवाज भुट्टो देश के विभाजन से पहले मौजूदा गुजरात की जूनागढ़ रियासत के प्रधानमंत्री थे। शाहनवाज भुट्टो जूनागढ़ के प्रधानमंत्री के पद पर 30 मई, 1947 से लेकर 8 नवंबर, 1947 तक रहे। जब बेनजीर भुट्टो की निर्मम हत्या हुई थी तब जूनागढ़ में भी शोक की लहर दौड़ गई थी। जूनागढ़ शहर की जामा मस्जिद में इमाम मौलाना हाफिज मोहम्मद फारूक की अगुवाई में उनकी आत्मा की शांति के लिए नमाज भी अदा की गई थी। बहरहाल, भारत बिलावल भुट्टो जरदारी से नाराज है क्योंकि कुछ माह पहले न्यूयार्क में बिलावल ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'गुजरात का कसाई' कहा था। भारत ने तब बिलावल की गटर बयानबाजी पर कड़ा विरोध जताया था।

बहरहाल, जुल्फिकार भुट्टो के कई अर्थों में भारत से करीबी संबंध थे। उनके मुम्बई और जूनागढ़ से रिश्तों की जानकारी जगजाहिर है। भुट्टो जब मुम्बई के प्रतिष्ठित कैथडेरल स्कूल में पढ़ रहे थे तब उनके परम मित्र थे पीलू मोदी,

जो राज्यसभा में भी रहे। पीलू मोदी ने अपनी किताब 'जुल्फी माई फ्रेंड' में एक जगह लिखा भी है कि हालांकि हम दोनों घनिष्ठ मित्र थे 1946 में, पर जुल्फिकार टू नेशन थ्योरी पर यकीन करते थे। वे जिन्ना के आंदोलन को सही मानते थे। इसके विपरीत उन्हें कभी ये बात समझ नहीं आ रही थी कि भारत धर्म के नाम पर बंटेगा। भुट्टो 1973 से 1977 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे। जरा सोचिए कि जिस शख्स का पाकिस्तान को दोफाड़ करवाने में अहम रोल था वह 1973 के पाकिस्तान के आम चुनाव में जीतकर मुल्क का प्रधानमंत्री ही बन गया। बना इसलिए क्योंकि उन्होंने उसी न्यूयार्क शहर में भारत-पाकिस्तान युद्ध की समाप्ति पर संयुक्त राष्ट्र सभा को संबोधित करते हुए भारत को अनाप-शनाप बका था। इसके चलते पाकिस्तानी अवाम ने उनकी पाकिस्तान को तोड़ने की खता को माफ कर दिया। बहरहाल, भुट्टो 35 साल की उम्र में पाकिस्तान के विदेशमंत्री बन गए थे। 1965 में अय्यूब खान को उनके विदेशमंत्री भुट्टो द्वारा कश्मीर में घुसपैठियों को भेजने के लिए भड़काया गया था। शास्त्री ने इसका जवाब लाहौर की तरफ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार टैंक भेज कर दिया। ये लड़ाई ताशकंद में सोवियत यूनियन की मध्यस्थता से शांति के साथ ख़त्म हुई। लेकिन अय्यूब ख़ान से मतभेद होने के कारण उन्होंने अपनी नई पार्टी (पीपीपी) 1967 में बनाई। 1962 के भारत-चीन युद्ध, 1965 और 1971 के पाकिस्तान युद्ध, तीनों के समय वे महत्वपूर्ण पदों पर आसीन थे। 1965 के युद्ध के बाद उन्होंने ही पाकिस्तानी परमाणु कार्यक्रम का शुरुआती ढांचा तैयार किया था। उन्हें चार अप्रैल, 1979 को फ़ांसी पर लटका दिया गया था। फांसी पर चढ़ाए जाने के महज़ दो साल पहले तक वे पाकिस्तान के वज़ीर-ए-आज़म थे। जुल्फिकार अली भुट्टो की मौत के नौ साल के बाद उनकी बेटी बेनज़ीर भुट्टो पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बनीं। बेनजीर का भारत विरोध अपने पिता जितना तीखा नहीं था।

वो कई बार भारत आईं। सबसे पहले अपने पिता के साथ शिमला समझौते के समय भारत आई थीं। इस बीच, भुट्टो के पिता शाहनवाज भुट्टो की बात किए बगैर बात तो अधूरी ही रहेगी। वे भी कट्टर भारत विरोधी थे। हालांकि जूनागढ़ में 99 से अधिक फीसदी आबादी हिन्दुओं की थी पर वहां पर राज मुहम्मद महाबत खनजी का था।

सुखद कल आबादी नियंत्रण ही हल

डॉ. ऋतु सारस्वत

'हमारे बच्चे हमारी जिम्मेदारी हैं चाहे वह पांच हों या आठ, इससे किसी को भी फर्क नहीं पड़ना चाहिए। हम जब अपने बच्चों के लिए समाज या देश से कुछ मांग नहीं रहे हैं तो इस पर किसी को भी प्रश्न उठाने का अधिकार नहीं है' गाहे-बगाहे यह बात सुनने को मिलती है। क्या वाकई यह आपत्ति तार्किक है? 'जनसंख्या के बढ़ने या घटने से हमारे बच्चों के जीवन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला' इस सोच के लोगों को कुछ सत्यों से जरूर परिचित होना चाहिए। अब जब हम 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने जा रहे हैं तो 'इससे हमें क्या'? यह उत्तर देने वालों की संख्या काफी है क्योंकि वे नहीं जानते कि हर बच्चे के आने से व्यवस्था पर भार बढ़ता है। जनसंख्या नियंत्रण को सामूहिक दायित्व नहीं मानने वालों को बेरोजगारी के मुद्दे पर होने वाले प्रदर्शनों को अवश्य याद करना चाहिए। इसके लिए सरकारों को कोसने के सच से सामना करें कि जिस गति से जनसंख्या बढ़ रही है उस गति से संसाधनों का बनना असंभव है।

दरअसल, जब एक बच्चा इस धरती पर जन्म लेता है तो जन्मते ही देश से कुछ अपेक्षाएं रखता है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण भोजन, स्कूल, खेल के मैदान, युवा होते ही रोजगार और इन सबसे जरूरी एक स्वच्छ पर्यावरण जहां वह सांस ले सके। निस्संदेह, बढ़ती जनसंख्या का भार सबसे पहले स्वच्छ पर्यावरण को दूषित करता है। वह आप से स्वच्छ वायु छीनता है। चाहे आप धनाढ्य क्यों न हों, लाख चिकित्सकीय सुविधाओं को एकत्र करने में सक्षम हों फिर भी आप की जीवन प्रत्याशा कम होने की आशंका रहेगी। एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट एट यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण ने भारत में जीवन की गुणवत्ता और लंबी आयु को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में पहले और दूसरे स्थान पर भारत के दो शहर हैं। एपीआईसी के ऊर्जा नीति संस्थान की रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण से दिल्ली में मानव जीवन प्रत्याशा दस साल कम हुई है।

वहीं पूरे भारत में यह पांच साल घट गई है। हम अपनी जिम्मेदारी से हाथ नहीं झाड़ सकते हैं। हजारों कारखाने हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए तमाम तरह की वस्तुओं का उत्पादन कर रहे हैं। सड़कों पर दौड़ते वाहन हमें ही हमारे गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं। क्या इन सब के बगैर हम जीवन जीने की कल्पना कर सकते हैं? अगर नहीं तो फिर हम बढ़ते प्रदूषण में अपनी भूमिका से कैसे इंकार कर सकते हैं? बढ़ती जनसंख्या के अनुरूप निरंतर बढ़ते आवासों की संख्या उसके लिए लकड़ी, सीमेंट, ऊर्जा, बिजली, पीने का पानी और इन सब के लिए धरती को भेदती मशीनें, कोयले का खनन, तेल के कुओं की खुदाई और फिर भी अंत में हमारी आवश्यकता के अनुरूप अधूरी रह जाना। जल्द ही संसाधन खत्म हो जाएंगे फिर क्या? उस स्थिति की कल्पना कीजिए कि जब आपके पास धन तो हो परंतु बाजार में आपकी जरूरत का सामान उपलब्ध न हो।

क्या इस स्थिति को रोका जा सकता है? क्या जनसंख्या की गति पर लगाम लगाई जा सकती है? हां, जनसंख्या की बढ़ती गति रुक सकती है बशर्ते इसके लिए प्रयास किए जाएं। अमूमन इस प्रयास का दारोमदार महिलाओं पर डाल दिया जाता है। दुनियाभर की महिलाएं चाहती हैं कि उन्हें हक मिले कि उन्हें कब और कितने बच्चे पैदा करने हैं परंतु क्या महिलाओं को यह स्वतंत्रता प्राप्त है? पितृसत्तात्मक व्यवस्था में स्त्री के परिवार के सदस्य विशेषकर पति निश्चित करता है कि वह कितने बच्चों को जन्म देगी। इतना ही नहीं परिवार नियोजन का बोझ भी उसके जिम्मे डाल दिया जाता है। अध्ययन बताते हैं कि उच्च और निम्न आय वाले देशों में कई महिलाएं अपनी प्रजनन क्षमता को नियंत्रित करने के गर्भनिरोधक साधनों से परिचित भी नहीं हैं। विकासशील देशों में दो सौ मिलियन से अधिक महिलाओं को आधुनिक गर्भनिरोधक की आवश्यकता है लेकिन वे सुरक्षित और प्रभावी गर्भनिरोधक विधियों का उपयोग नहीं कर पा रही हैं। 'वर्ल्ड वॉच इंस्टिट्यूट' के उपाध्यक्ष बॉब एंगलमैनने अपनी पुस्तक 'मोर पॉपुलेशन, नेचर एंड व्हाट वूमेन वांट' में इस भावना को प्रतिध्वनित किया है कि महिलाएं क्या चाहती हैं?

इसका जवाब है 'महिलाएं चाहती हैं कि उनके बच्चों को उच्च जीवन स्तर मिले' परंतु यह कैसे संभव होगा? इस संबंध में जो.एल. कोहने की किताब 'हाउ मैनी पीपल कैन द अर्थ सपोर्ट' कहती है कि शिक्षा बच्चों की संख्या के आधिक्य के बजाय बच्चों के बेहतर जीवन की ओर परिवर्तन लाती है। यह परिवर्तन भविष्य में पर्यावरणीय संसाधनों का उपयोग करने वालों की संख्या को कम करता है और पर्यावरणीय परिवर्तन से निपटने के लिए समाज की क्षमता को बढ़ाता है। कोहने की किताब का आधार वर्षों तक हुए वह शोध हैं जो इस बात पर बल देते हैं कि जहां महिलाएं शिक्षित एवं जागरूक हैं वहां जनसंख्या की गति धीमी होती है। महिलाओं की निम्न सामाजिक परिस्थिति और अशिक्षा उन्हें स्वयं के जीवन और शरीर पर नियंत्रण रखने से रोकती है। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि दुनियाभर की पितृसत्तात्मक व्यवस्था महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, राजनीतिक भागीदारी और आर्थिक अवसरों तक पहुंच से वंचित करती है। यदि समाज एक स्त्री के अवसरों को सीमित करता है तो अभिभावक बेटी के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उसकी शिक्षा के बजाय उसके विवाह में निवेश करना बेहतर समझते हैं।

हैदराबादी स्टाइल में बनाएं इडली

जब भी बात आती है हेल्दी नाश्ते की तो साउथ इंडियन खाने का नाम सबसे आगे आता है। सुबह के नाश्ते में इडली और डोसा खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। अक्सर कई एक्टर्स को भी कहते सुना जाता है कि वो नाश्ते में इडली ही खाते हैं। अगर आपको भी इडली खाना बेहद पसंद है, पर आप नॉर्मल इडली खाकर बोर हो गए हैं तो आज हम आपको इडली बनाने के नया तरीका बताएंगे। दरअसल, आज हम आपको हैदराबादी स्टाइल में इडली तैयार करना बताएंगे। हैदराबादी स्टाइल इडली काफी ज्यादा मसालेदार, कुरकुरी और स्वादिष्ट होती है। इसके लिए आपको किसी भी तरीके के इडली मेकर की जरूरत नहीं पड़ेगी। तो आइए देर ना करते हुए आपको भी मसालेदार और कुरकुरी हैदराबादी स्टाइल में इडली बनाना सिखाते हैं। इसे आप अपने घर पर सुबह के नाश्ते में गर्मागर्म बनाकर चटनी के साथ सर्व कर सकते हैं।

इंस्टेंट इडली बैटर सामग्री

चावल का आटा
1 कप उड़द दाल का आटा
आधा कप पोहा
एक चौथाई कप नमक
1 छोटा चम्मच दही
आधा कप पानी
1 कप फ्रूट साल्ट
2 चम्मच प्याज (कटा हुआ)
2 बड़े चम्मच करी पत्ते
5-6 टमाटर (कटे हुए)

इडली पोड़ी मसाला बनाने के लिए सामान

तेल 1 बड़ा चम्मच
चना दाल आधा कप
उड़द दाल आधा कप
सफेद तिल एक चौथाई कप
साबुत लाल मिर्च 20
हींग आधा छोटा चम्मच
चीनी 2 बड़े चम्मच
नमक 1 छोटा चम्मच

विधि

हैदराबादी स्टाइल में इडली बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को एक जार में डालकर इसका महीन पाउडर बना लें। अब इसमें चावल और उड़द दाल के आटे को अच्छे से मिला लें। इसका बैटर बनाने के लिए 1 टीस्पून नमक, दही और पानी डालें। इसे कुछ मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। तब तक पोड़ी मसाला तैयार करें। एक पैन में एक चम्मच तेल गर्म करके उसमें चना दाल और उड़द दाल को पीस लें। जब ये सुनहरा होने लगे तो इसमें तिल और साबुत लाल मिर्च डालें। गैस बंद करने के बाद इसनें हींग डालें। इडली के बैटर को इंस्टेंट तैयार करने के लिए इसमें फ्रूट सॉल्ट मिलाएं। इसके बाद अब 2-3 टेबलस्पून तेल के साथ स्टोव पर एक फ्लैट पैन या तवा गरम करें। इस पर कटे हुए प्याज, करी पत्ता और हरी मिर्च को सुनहरा होने तक भूनें। जब ये सुनहरा हो जाए तो इसमे कटे हुए टमाटर डालें। इसमें दो चम्मच पोड़ी मसाला मिलाएं। अब अब इस मसाले को चार भागों में बांट लें। मसाला के प्रत्येक ब्लॉक के ऊपर एक स्कूप इडली बैटर डालें। अब इसे लिड के ढक कर बंद कर दें और फूलने तक इंतजार करें। इसे आपको चार से पांच मिनट तक पकाना है। ऐसे ही इसे पलट कर दूसरी तरफ से भी सेकें। आप इसे अपने हिसाब से कुरकुरा बना सकते हैं। धनिया के साथ इसे सजाकर गर्मागर्म ही चटनी के साथ परोसें।

ऐसे बनाएं आम का अचार, लंबे समय तक नहीं होगा खराब

सामग्री- 2 किलो आम कटा हुआ, 100 ग्राम मेथी, लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, 50 ग्राम कलौंजी, 100 ग्राम सौंफ, 50 ग्राम हल्दी पाउडर, डेढ़ लीटर सरसो का तेल

गर्मियों का मौसम आते ही आम का ख्याल जहन में आने लगता है। आम एक ऐसा फल है जिसे फलों का राजा कहा जाता है। इसके पीछे की वजह ये है कि आम तकरीबन हर किसी को पसंद आता है। आम को कई तरीकों से खाया जाता है। कई लोग कच्चे आम भी खाना पसंद करते हैं। इस मौसम में बनने वाला आम का अचार तो हर कोई खाना पसंद करता है। गर्मियों में हर घर में आम का अचार डाला जाता है। अचार डालने में काफी मेहनत की जरूरत पड़ती है। सबसे ज्यादा मुश्किल काम होता है अचार के लिए आम काटना।

विधि आम का अचार डालने के लिए सबसे पहले आमों को बराबर भागों में काट कर सुखा लें। इसके बाद एक एक कप तेल में सभी मसालों को डालकर अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रित मसाले का थोड़ा सा छिड़काव बरनी में भी करें। ताकि बरनी के आस-पास भी मसाला अच्छे से लग जाए। अब इस मिश्रण में आम के टुकड़ों को अच्छे से मिलाकर बरनी में भरें। इसे अच्छे से मिला लें। कोई भी टुकड़ा बिना मसाले के ना रह जाए। अब बचे हुए मसाले के मिश्रण और तेल को अचार के ऊपर भर दें। फिर इस बरनी को एक हफ्ते तक धूप में सुखाएं।

ऐसे काटें आम

अगर आप कच्चे आम दराती की मदद से काटेंगी तो आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपको मार्केट से दराती खरीदकर लानी होगी, लेकिन इसका इस्तेमाल बहुत ही ध्यान से करना होगा।

इन बातों का रखें ध्यान

अचार डालते वक्त इस बात का खास ध्यान रखें कि जिस बरनी में अचार डालना हो, तो एकदम सूखी हुई हो। इसके साथ ही अचार डालने के लिए कच्चे तेल का ही इस्तेमाल करें। अगर आप घर पर बनें मसालों का इस्तेमाल करेंगी तो ये काफी बेहतर रहेगा और अचार लंबे समय तक बना रहेगा।

हंसना मना है

मम्मी-किचन से जरा छोटी वाली गिलास ले लाना...पिंटू-मुझे यहां पर कहीं भी गिलास दिखाई नहीं दे रहा है ...मम्मी-चूल्हा दिखाई दे रहा है...पिंटू-हां...मम्मी- अब एक काम कर चूल्हा जला...अब उसके ऊपर अपना मोबइल रख दे...तब दिखेगी गिलास।

पति- क्या तुम्हें पता है कि गाने में इतनी ताकत होती है कि पानी भी गरम हो जाता है पत्नी- हां हां जरूर, क्यों नहीं जानती, अब तुम यही सोच लो अगर तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं।

संता बस में खड़ा था ब्रेक लगा तो एक लड़की पर जा गिरा, लड़की- बद्तमीज ...क्या कर रहे हो, संता- आईटीआई और आप? लड़की ने की चप्पलों से पिटाई।

संता पिंकी से-मुझे तुम्हें एक बात बोलनी है। पिंकी-बोलो बाबा, शर्मा क्यों रहे हो? संता-मेरे साथ चाय पे चलेगी? पिंकी-अरे नहीं बाबा चाय गर्म होती है, मेरे हाथ जल गए तो...

कहानी: मित्र-द्रोह का फल

हिम्मत नगर में दो पक्के दोस्त धर्मबुद्धि और पापबुद्धि रहा करते थे। एक दिन पापबुद्धि को ख्याल आया कि क्यों न दूसरे नगर जाकर कुछ पैसा कमाया जाए। पापबुद्धि ने सोचा कि वो धर्मबुद्धि को भी साथ लेकर जाएगा, जिससे दोनों खूब पैसा कमाएंगे और फिर लौटते समय वो धर्मबुद्धि से उसका पैसा किसी तरह से हड़प लेगा। अपनी चाल को पूरा करने के लिए उसने धर्मबुद्धि को दूसरे शहर जाने के लिए मना लिया। दोनों अपने नगर से खूब सारा सामान लेकर दूसरे शहर पहुंच गए। धर्मबुद्धि और पापबुद्धि ने सामान को काफी अच्छी कीमत में बेचा। जब दोनों ने अच्छी-खासी रकम इकट्ठा कर ली, तो दोनों एक दिन अपने नगर की ओर लौटने लगे। पापबुद्धि अपने दोस्त को जंगल के रास्ते से लेकर आया। पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि से कहा, मित्र देखो, अगर हम अपने नगर इतना सारा धन लेकर जाते हैं, तो समस्या हो सकती है। चोर इसे चुरा सकते हैं, लोग हमसे जलन का भाव रखने लगेंगे। ऐसे में बेहतर होगा कि हम आधा धन इसी जंगल में छिपा देते हैं। धर्मबुद्धि ने पापबुद्धि की बातों पर यकीन करके धन को छुपाने के लिए हां कर दी। पापबुद्धि ने गड्ढा खोदकर धन को जंगल में एक पेड़ के पास छिपा दिया। फिर कुछ दिनों बाद बिना अपने दोस्त को बताए, पापबुद्धि अकेले सारा धन उस जंगल से लेकर आ गया। एक दिन धर्मबुद्धि को पैसे की जरूरत पड़ी। तो धर्मबुद्धि सीधे अपने मित्र पापबुद्धि के पास गया और कहने लगा, मुझे पैसों की जरूरत है, जंगल से पैसे निकालकर ले आते हैं। पापबुद्धि राजी हो गया और दोनों जंगल की ओर निकल गए। जैसे ही धर्मबुद्धि ने गड्ढा खोदा, तो वहां पैसा न देखकर चौंक गया। इतने में ही पापबुद्धि ने शोर मचाना शुरू कर दिया और धर्मबुद्धि पर चोरी का आरोप लगाया। हो-हल्ला होने के बाद पापबुद्धि न्यायालय पहुंचा। न्यायाधीश ने सारा मामला सुना तो सच्चाई का पता लगाने के लिए परीक्षा लेने का निर्णय लिया। इसके बाद न्यायाधीश ने दोनों को आग में हाथ डालने का आदेश दिया। चतुर पापबुद्धि ने कहा, अग्नि में हाथ डालने की कोई जरूरत नहीं है, खुद वन देव मेरी सच्चाई की गवाही देंगे। न्यायाधीश ने उसकी बात मान ली। धूर्त पापबुद्धि पास के ही एक सूखे पेड़ में छिप गया। जैसे ही न्यायाधीश ने वन देवता से पूछा कि आखिर धन की चोरी किसने की तो जंगल से आवाज आई, धर्मबुद्धि ने चोरी की है। इतना सुनते ही धर्मबुद्धि ने जिस पेड़ की तरफ से आवाज आई, उसी पेड़ को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही पेड़ से चिल्लाते हुए पापबुद्धि बाहर निकला और झुलसी हालात में सारा सच बयां कर दिया। सच्चाई का पता चलते ही न्यायाशीध ने पापबुद्धि को फांसी की सजा सुना दी और धर्मबुद्धि को उसके पैसे दिलवा दिए।

7 अंतर खोजें

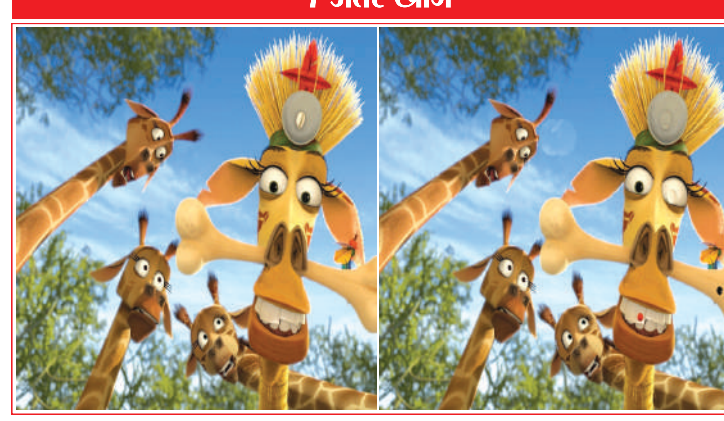

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज आप माता-पिता के साथ मंदिर में दर्शन के लिए जायेंगे। आपके व्यवहार से कुछ लोग काफी प्रभावित होंगे। कुछ नए लोगों से आपको शुभ काम में मदद मिलने की संभावना है।

वृषभ इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं। आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी। आपके काम सफल होंगे। किन्तु आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी।

मिथुन आज मित्रों के साथ किसी मनोरंजक ट्रिप पर जाने का प्रोग्राम बनायेंगे। इस राशि के आईआई टी स्टूडेंट्स के लिए दिन शानदार है। आपके साथ सब अच्छा ही अच्छा होगा।

कर्क भाग्य का साथ होने से आपको बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे। आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे। वित्तीय मामले आसानी से प्रगति करेंगे।

सिंह आज आपका मन सामाजिक कार्यों की तरफ रहेगा। समाज में आपकी एक अलग ही पहचान बनेगी। आज आर्थिक रूप से लाभ पाने के लिए आपको मेहनत करने की जरूरत है।

कन्या अच्छे व्यावसायिक अवसर आपके व्यवसाय को बढ़ाने में अति सहायक सिद्ध होंगे। आप नए क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार होंगे। उद्यमी अच्छा करेंगे।

तुला आज पारिवारिक काम को पूरा करने में आपको घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आपका कोई सहपाठी आपसे अपनी कोई निजी बात शेयर करेगा।

वृश्चिक साहित्य, कला, लेखन, संगीत, फिल्मों या खेल जैसे रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे और आकर्षक सौदे हाथ लग सकते हैं।

धनु आज आप किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जायेंगे। वहां आपकी मुलाकात कुछ पुराने दोस्तों से भी होगी। किसी खास काम के लिए मित्रों की सलाह फायदेमंद रहेगी।

मकर आपके प्रयास फल देंगे और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आप एक नई साझेदारी या एसोसिएशन में प्रवेश कर सकते हैं। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा।

कुम्भ आज कोई रूका हुआ काम पूरा होने से आपको बहुत खुशी मिलेगी। साथ ही आपके घर का माहौल भी खुशियों से भरा रहेगा। आसपास के लोग आपके व्यक्तित्व से प्रसन्न होंगे।

मीन प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वालों के लिए आज का दिन मिश्रित परिणामदायक हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में कुछ अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है।

कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रहीं अनुष्का शर्मा

हमेशा की तरह इस बार भी साल का सबसे बड़ा फिल्मी इवेंट कान फिल्म फेस्टिवल होने जा रहा है। यह एक ऐसा इवेंट होता है, जिस पर दुनियाभर के लोगों की निगाहें टिकी होती हैं। इस फेस्टिवल में फिल्मों के साथ-साथ हसीनाओं का भी रेड कारपेट पर जलवा देखने को मिलता है। हाल ही में फैशन इवेंट मेल गाला का आयोजन हुआ था। वहीं अब 76वां कान फिल्म फेस्टिवल का आगाज होने वाला है। इस बार बॉलीवुड की एक और एक्ट्रेस का नाम शामिल होने वाला है। इस साल कान्स के रेड कारपेट पर अनुष्का शर्मा भी नजर आएंगी। अनुष्का शर्मा कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रही हैं। खबरों के मुताबिक, एक्ट्रेस इस इवेंट में उस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगी, जिसमें सिनेमा की दुनिया में महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस इवेंट में एक्ट्रेस के साथ हॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस केट विंसलेट होगी। इसकी जानकारी फ्रेंच एंबेसडर, इंडिया के इमैनुएल लेनिन ने दी है। फ्रेंच एंबेसडर ने बताया कि उन्होंने एक्ट्रेस और उनके हस्बैंड से इस ट्रिप से पहले मुलाकात की है। एंबेसडर ने ट्विटर पर लिखा है, विराट कोहली और अनुष्का से मिलकर अच्छा लगा, मैंने विराट को और टीम इंडिया को अपकमिंग टूर्नामेंट के लिए बधाई दिया और कान्स फिल्म फेस्टिवल को लेकर अनुष्का शर्मा से डिस्कस किया। बता दें, इस साल 76वां कान्स फिल्म फेस्टिवल 16 मई से 27 मई के बीच सेलिब्रेट किया जा रहा है। कान्स में अनुष्का से पहले बॉलीवुड की कई एक्ट्रेसेज शामिल हो चुकी है। इस लिस्ट में ऐश्वर्या राय बच्चन, दीपिका पादुकोण, पूजा हेगड़े, हिना खान, सोनम कपूर, विद्या बालन और कंगना रनौट भी नजर आ चुकी हैं।

भोजपुरी | मसाला

सामंथा रुथ प्रभु की स्टारर मूवी शाकुंतलम 12 मई को होगी रिलीज

साउथ की सुपर स्टार सामंथा रुथ प्रभु की पीरियड ड्रामा फिल्म 'शाकुंतलम' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक थी। ये फिल्म कालिदास के मोस्ट पॉपुलर नाटक 'अभिज्ञान शाकुंतलम' पर बेस्ड थी। ये फिल्म 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि इस पौराणिक ड्रामा को ऑडियंस का खास रिस्पॉन्स नहीं मिला और ये अपनी आधी लागत भी वसूल नहीं पाई है। इन सबके बीच 'शाकुंतलम' अब ओटीटी पर भी स्ट्रीम होने जा रही है। चलिए यहां जानते हैं ये ओटीटी के किस प्लेटफॉर्म पर और कब स्ट्रीम होगी।

गुनशेखर द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म 'शाकुंतलम' को अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देखा जा सकता है। फिल्म की ओटोटी रिलीज डेट आउट हो चुकी है।ओटीटी स्ट्रीम अपडेट्स ने ट्वीट कर बताया है कि ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडि?ो पर 12 मई को तेलुगु, तमिल, मलयालम, हिंदी और कन्नड़ में स्ट्रीम होगी। हालांकि अभी तक प्राइम वीडियो ने इसे लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। बता दें कि 'शाकुंतलम' फिल्म में एक्ट्रेस सामंथा ने शकुंतला का किरदार निभाया है वहीं मलयालम एक्टर देव मोहन दुष्यंत के रोल में हैं। कण्व महर्षि की भूमिका सचिन खेडेकर ने निभाई और दुर्वासा महर्षि की भूमिका मोहन बाबू ने निभाई है। प्रियंवदा और अनसूया का रोल अदिति बालन और अनन्या नागल्ला ने प्ले किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

गलतफहमी हमारे काम का हिस्सा है : पलक तिवारी

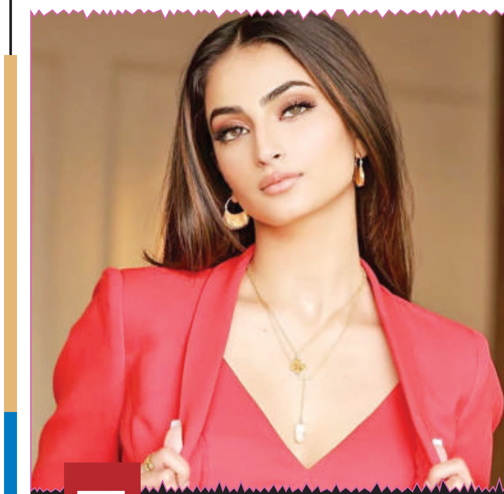

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान ईद के मौके पर रिलीज हुई थी। यह फिल्म 100 के क्लब में शामिल हो चुकी है। इस मूवी में सलमान खान और पूजा हेगड़े के अलावा कई स्टार्स भी नजर आए थे। श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने भी इस फिल्म से डेब्यू किया है। इस बीच पलक तिवारी का एक बयान भी काफी सुर्खियों में रहा। पलक ने फिल्म के सेट पर सलमान खान के नियम का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि सलमान का एक नियम था कि फीमेल एक्टर को सेट पर कैसे कपड़े पहनने चाहिए। वहीं, अब एक्ट्रेस एक नए इंटरव्यू में कहा कि उनका मतलब सलमान और सेट पर उनके तरीकों के बारे में कुछ भी गलत नहीं था। पलक ने कहा है कि गलतफहमी हमारे काम का हिस्सा है, मेरे और सलमान सर के बीच की खबरों से मैं अचंभित नहीं हूं, क्योंकि मुझे पता है कि वे एक बेहद समझदार पर्सन हैं। वह ये भी जानते हैं कि मैं कभी भी उनके बारे में कुछ भी गलत नहीं कहूंगी। मैंने एक गलती की, मैं सीखूंगी और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं अपनी लाइफ में हमेशा ध्यान रखूंगी। पिछले कुछ दिनों पलक तिवारी का नाम सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान संग जुड़ रहा है। हालांकि, इन खबरों पर पलक ने चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने कहा कि इब्राहिम सिर्फ मेरा एक अच्छा दोस्त है और वह वास्तव में उसे बहुत अच्छी तरह से नहीं जानती है। वहीं अब एक बार फिर दोनों के डेटिंग की खबरे जोरो पर है। एक्ट्रेस का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिस पर एक यूजर ने कमेंट कर कहा कि पिछली रात दोनों एक क्लब में पार्टी कर रहे थे और दोनों एक दूसरे को किस भी किया था। इस कमेंट के बाद एक बार फिर दोनों के रिलेशनशिप को लेकर खबरें तेज हो गई हैं।

राजस्थान के इस शहर में है ढाई सौ साल पुराना देवर-भाभी का मंदिर,

राजस्थान में ऐसे कई मंदिर है जो विशेष कारणों के लिए जाने जाते है. जैसे बणेश्वर धाम जो शिवलिंग के लिए जाना जाता। इसके अलावा उदयपुर में सास-बहु का मंदिर भी प्रसिद्ध है। आपने ऐसे कई मंदिर देखें होंगे जिनमें भगवान राम-लक्ष्मण और सीता माता की साथ में पूजा की जाती है। लेकिन नागौर के टांकला गांव में एक ऐसा मंदिर भी है जहां केवल लक्ष्मण और सीता माता की पूजा होती है। 250 वर्ष पूर्व स्थापित किया गया यह मंदिर आज देवर-भाभी के नाम से प्रचलित है। मंदिर के पुजारी मेघदास ने बताया कि यह मंदिर 250 वर्ष पुराना है।इस मंदिर में केवल लक्ष्मण और सीता माता की मूर्ति है। श्रद्धालु यहां अकाल मृत्यु के संकट को दूर करने के लिए परिक्रमा करने आते है। इसके अलावा मंदिर में भगवान हनुमान की भी प्रतिमा है। मान्यता है कि अगर कोई भक्त यहां अपनी मन्नत मांगता है तो उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

मंदिर पुजारी मेघदास ने बताया कि इस मंदिर की मान्यता है कि अगर कोई व्यक्ति यहां पर आकर वर्ष में एक बार परिक्रमा देता है तो उसकी अकाल मृत्यू नहीं होती है। वहीं यहां पर परिक्रमा देने पर सड़क दुर्घटना और अन्य बाधाओं का सामना भी नहीं करना पड़ता है। अगर कोई भक्त यहां मन्नत मांगता है तो वह पूरी होती है। यह मंदिर नागौर जिले के खींवसर तहसील के टांकला गांव में स्थित है।इस मंदिर के पास में ही किशनदासजी महाराज का मंदिर बना हुआ है। पुजारी ने बताया कि इस मंदिर में महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों से श्रद्धालुं परिक्रमा देने आते है।

अजब-गजब | ड्रग्स रखना भी लीगल

दारू के नशे में डूबा रहता है ये देश फिर भी है दुनिया में सबसे सेफ!

दुनिया में रोचक तथ्यों से भरे एक से बढ़कर एक देश हैं। आज एक ऐसे ही देश की कहानी। इसे दुनिया में दारू के नशे में डूबे होने वाला देश कहा जाता है।एक वक्त इस देश का साम्राज्य दुनियाभर में फैला हुआ था। यहां ड्रग्स रखना भी लीगल है। ऐसे में आप कल्पना नहीं कर सकते कि वहां का माहौल क्या होगा। लेकिन, आपको आश्चर्य होगा कि यह दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में शुमार है। यह दुनिया का एक विकसित देश है और यहां लिटरेसी रेट भी 97 फीसदी है।

हम जिस देश की बात कर रहे है उसका भारत से भी सीधा नाता रहा है। एक वक्त वह भारत के कुछ हिस्सों पर शासन करता था। आज उस देश में हर एक व्यक्ति साल में 52 लीटर शराब का सेवन करता है। यानी हर सप्ताह करीब एक लीटर। इस तरह यहां दुनिया में प्रति व्यक्ति शराब की सबसे ज्यादा खपत होती है। इस देश का नाम है पुर्तगाल। ऐतिहासिक रूप से पुर्तगाल दुनिया में अपने साम्राज्य के लिए चर्चित है। यह एक बेहद खूबसूरत देश है। यहां क्राइम रेट काफी

कम है। यहां जघन्य से जघन्य अपराध में अधिकतम सजा का प्रावधान केवल 25 साल है। ऐसे में स्वाभाविक है कि यहां पर फांसी की सजा का कोई प्रावधान नहीं है। यह दुनिया का संभवत: पहला देश है जहां लीगत तौर पर आप ड्रग्स रख सकते हैं। हालांकि, ड्रग्स की खरीद-फरोख्त को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। वर्ष 2001 में इस कानून को लागू किया था। इसके तहत हीरोइन जैसे ड्रग्स को रखना भी अपराध की श्रेणी में नहीं आता। इस कानून का असर ही है कि आज की तारीख में पुर्तगाल यूरोपीय संघ का एक ऐसा देश है जहां कम ड्रग्स इस्तेमाल के मामले देखे जाते हैं।

शराब पीने के मामले में दूसरे नंबर है यह देश हर साल प्रति व्यक्ति शराब की खपत के मामले में दूसरे नंबर पर फ्रांस है। यहां एक इंसान साल में 46.9 लीटर शराब पीता है। तीसरे नंबर पर इटली है जहां 46 लीटर, चौथे नंबर पर स्वीटजरलैंड है। यहां के लोग औसतन 35.3 लीटर शराब पीते हैं। इसी तरह पांचवें नंबर पर ऑस्ट्रिया, छठे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया, सातवें नंबर पर जर्मनी, फिर स्पेन, नीदरलैंड और 10वें नंबर पर बेल्जियम है। भारत इस मामले में काफी नीचे है। पुर्तगाल में कई रोचक चीजें हैं। यह दुनिया का एक सबसे पुराना राष्ट्र है। यहां दुनिया की एक सबसे पुरानी किताब की दुकान है। यह दुकान 1732 ईसवी में स्थापित हुई थी। यह दुनिया का एक सबसे शांतिपूर्ण देश है। इस मामले में यह चौथे नंबर पर है। एक नंबर आइसलैंड, फिर न्यूजीलैंड और तीसरे नंबर पर डेनमार्क है। इसे दुनिया में रिटायर लोगों के लिए सबसे बेहतर देश कहा जाता है।

तनाव के बीच मणिपुर में सुधर रहे हालात, पेट्रोल पंप पर लगी लंबी कतारें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में चल रही हिंसा धीरे-धीरे शांत हो रही है, लेकिन राज्य में हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। आज यानी शनिवार को हिंसा के बाद इंफाल में पेट्रोल पंप के बाहर लंबी कतारें देखने को मिली।

मामले की जानकारी देते हुए डीजीपी पी डोंगेल ने कहा, सुरक्षा बलों की वजह से, स्थिति में सुधार हुआ है और हमें सख्त आदेश मिले हैं कि हिंसा में योगदान देने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

सेना और असम राइफल्स के 10 हजार सैनिक किए गए तैनात

मणिपुर में सेना और असम राइफल्स के लगभग 10 हजार जवानों को तैनात किया गया है। इन जवानों ने राज्य के कई इलाकों में शुक्रवार को फ्लैग मार्च किया। सूत्रों के अनुसार, केंद्र ने आदिवासियों और मैती समुदाय के बीच हिंसा के मद्देनजर सीआरपीएफ और बीएसएफ सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 20 नई कंपनियां भेजी हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मणिपुर जाने वाली ट्रेनों को रद किया गया है। नार्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने कहा कि मणिपुर होकर दो ट्रेनें गुजरती हैं। 5 मई से दो दिनों के लिए इनका परिचालन रद कर दिया गया है।

राष्ट्रपति शासन लगाया जाए : राजद

राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने 5 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने मणिपुर में हाल ही में हुई हिंसा के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार करने का आग्रह किया है। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के अंतिम दौर में तय पांच सभाओं और रोड शो को रद कर दिया। शाह राज्य तथा केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। वह मणिपुर की स्थिति के बारे में सुरक्षा तथा खुफिया एजेंसियों से नियमित रूप से जानकारी ले रहे हैं।

लोग कर रहे पलायन

एक हजार से ज्यादा लोगों ने मणिपुर से पलायन कर असम के कछार जिले में शरण ली है। जिला प्रशासन ने शरणार्थियों के लिए खाने-पीने का इंतजाम किया है। इन्हें स्कूलों में ठहराया गया है। स्थानीय लोग भी इनकी मदद कर रहे हैं। एएनआइ के अनुसार, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने जिला प्रशासन को मणिपुर से आए लोगों की देखभाल करने का निर्देश दिया है। सरमा ने कहा कि वे मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के साथ संपर्क में हैं। 30 लोग शुक्रवार को मणिपुर से मिजोरम पहुंच गए। इनमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं।

खरगे परिवार की हत्या की साजिश कर रही भाजपा : रणदीप सुरजेवाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कांग्रेस ने भी बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार की हत्या करने की साजिश चल रही है, उन्होंने बीजेपी नेताओं पर इस साजिश का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि बीजेपी नेता अब मल्लिकार्जुन खरगे और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या की साजिश रच रहे हैं। यह अब चित्तपुर से बीजेपी के उम्मीदवार की रिकॉर्डिंग से स्पष्ट है जो पीएम मोदी और सीएम बोम्मई का चहेता भी है।

चितापुर से बीजेपी उम्मीदवार का किया जिक्र

सुरजेवाला ने आगे कहा कि कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान अब बीजेपी को पता चल गया है कि माहौल उनके खिलाफ है, इसलिए अब वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनके परिवार की हत्या की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने एक ऑडियो क्लिप भी सुनाई, जिसे चित्तापुर से बीजेपी उम्मीदवार की आवाज बताया जा रहा है।

सुरजेवाला ने कहा कि बीजेपी प्रजातंत्र की हत्या कर रही है और अब विपक्ष की हत्या की भी साजिश सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक में संविधान का मजाक उड़ा रहे हैं, बीजेपी इस स्तर तक गिर गई है कि वह मल्लिकार्जुन खरगे की हत्या करवाना चाहती है। बीजेपी को कर्नाटक की जनता ने नकार दिया है इसलिए वह परेशान है।

कर्नाटक की सत्ता पर छल-कपट और धोखे से काबिज हुई भाजपा: चिदंबरम

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनावों में बहुत ही कम समय बचा है। ऐसे में बीजेपी राज्य में जमकर प्रचार कर रही है, वहीं कांग्रेस भी बीजेपी को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर उनके कर्नाटक चुनाव अभियान को लेकर राज्य की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2018 के चुनावों के बाद राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार धोखे, खरीद-फरोख्त और धन बल से सत्ता पर काबिज हुई है।

चिदंबरम ने कहा कांग्रेस ने हमेशा वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया है। लेकिन ये हमारा दुर्भाग्य है कि तर्क की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस नेता बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव में लोगों ने बीजेपी को वोट नहीं दिया था। बल्कि उसने छल और खरीद- फरोख्त के दम पर सरकार बनाई थी।

तिहाड़ जेल में टिल्लू हत्याकांड में आठ जेलकर्मी निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दो सहायक अधीक्षक, एक हेड वार्डर व चार वार्डर की लापरवाही सामने आई

नई दिल्ली। टिल्लू ताजपुरिया हत्याकांड में जेल प्रशासन ने लापरवाही बरतने के आरोप में आठ जेलकर्मियों को निलंबित कर दिया है, जबकि तमिलनाडु पुलिस के नौ जवानों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए वहां के कमांडेंट को पत्र लिखा है। इसके अलावा इन सभी नौ पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के तहत आरोपपत्र दाखिल कर दिया गया है। जेल अधिकारी ने बताया कि विभागीय जांच में दोषी पाए जाने के बाद इनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जा सकती है।

जेल अधिकारियों ने बताया कि जेल संख्या आठ-नौ के दो सहायक अधीक्षक, एक हेड वार्डर व चार वार्डर की लापरवाही सामने आई है। जांच में सामने आया कि घटना के दौरान ये लोग वहां मौजूद नहीं थे। इन सभी को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विभागीय जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि जेल की सुरक्षा में तैनात तमिलनाडु पुलिस व वार्डर, हेड वार्डर के पास केवल डंडा होता है। ऐसे में अब जेल प्रशासन इस बात पर विचार कर रहा है कि सुरक्षाकर्मियों के पास डंडे के अलावा भी कुछ ऐसा हो, जिससे वह कैदियों को काबू कर सकें।

एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर के संचालन पर रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सेना का एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर चार मई को जम्मू-कश्मीर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। अब रक्षा अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर ध्रुव हेलीकॉप्टर के संचालन पर रोक लगाने का फैसला लिया गया है।

गौरतलब है, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टरों से जुड़ी दो दुर्घटनाओं के बाद से यह हेलिकॉप्टर मैदान में ही खड़े हैं। इन हेलिकॉप्टरों को उड़ान भरे करीब एक महीने से अधिक का समय हो गया है। जम्मू संभाग के किश्तवाड़ के दूर-दराज इलाके में सेना का ध्रुव हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हुआ था। इसमें तीन लोग सवार थे। तीनों जख्मी हुए। उन्हें इलाज के लिए उधमपुर के सैन्य अस्पताल ले जाया गया था।

गुजरात टाइटंस ने राजस्थान से बराबर किया हिसाब

राशिद-हार्दिक ने किया कमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में सातवीं जीत हासिल कर ली है। गुजरात ने राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही गुजरात ने राजस्थान से मिली पिछली हार का बदला भी ले लिया। उसके लिए इस मैच में गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ अंदाज में मैच को समाप्त कर दिया।

गुजरात ने 37 गेंद शेष रहते ही मैच को अपने नाम किया। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। राजस्थान की टीम 17.5 ओवर में 118 रन पर सिमट गई। जवाब में गुजरात ने 13.5 ओवर में एक विकेट पर 119 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया।

सीजन में सातवीं जीत से गुजरात के अब 10 मैच में 14 अंक हो गए हैं। गुजरात की टीम सिर्फ तीन मुकाबलों में हारी है। दूसरी ओर, राजस्थान इस हार के बाद चौथे स्थान पर ही है। उसके 10 मैच में 10 अंक हैं। राजस्थान को पांच जीत और पांच हार मिली है।

हार्दिक ने खेली ताबड़तोड़ पारी

गिल के आउट होने के बाद ऋद्धिमान ने कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ मिलकर मैच को समाप्त किया। साहा ने 34 गेंद पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 41 रन बनाए। वहीं, हार्दिक 15 गेंद पर 39 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। गुजरात ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शुरुआत की। ऋद्धिमान साहा और शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए 9.4 ओवर में 71 रन की साझेदारी की। शुभमन गिल 35 गेंद पर 36 रन बनाकर आउट हुए।

बृजभूषण के खिलाफ सात पहलवानों ने दिए बयान

जल्द होगी कुश्ती संघ के अध्यक्ष से भी पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलवानों से छेड़छाड़ मामले में कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने शनिवार को सभी 7 शिकायतकर्ता रेस्लर्स के बयान दर्ज कर लिए हैं। उनके वकील की मौजूदगी में ये बयान नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट में रिकॉर्ड किए गए हैं, सूत्रों के अनुसार, इस दौरान शिकायतकर्ताओं ने अलग-अलग इंसिडेंट के बारे में बताया, छेड़छाड़ की तारीख किसी भी पहलवान को याद नहीं है।

पुलिस का कहना है कि अब जल्द ही कुश्ती संघ के चीफ बृजभूषण शरण सिंह के बयान दर्ज किए जाएंगे। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के जंतर-मंतर में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना दे रहे पहलवानों से कहा कि सरकार ने खिलाड़ियों की सारी बातें मान ली हैं। अब उनसे अनुरोध है कि वो लोग निष्पक्ष जांच होने दें, तभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी दिल्ली में धरना दे रहे उनकी जो भी जायज मांग थीं सरकार ने मान ली हैं। दिल्ली पुलिस निष्पक्ष जांच कर रही है. दोषी के खिलाफ कार्रवाई करेगी, इसलिए पहलवानों को धरना खत्म करना चाहिए।

अब भी धरना दे रहे हैं पहलवान

गौरतलब हो कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवान 23 अप्रैल से भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं. पहलवानों ने बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दे रहे है। पहलवानों ने सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल कर बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने का आदेश देने की मांग की थी। दिल्ली पुलिस ने महिला पहलवानों की शिकायत पर बृजभूषण सिंह के खिलाफ दो मामले दर्ज किए थे। इसके साथ कोर्ट ने कहा कि इस याचिका का उद्देश्य बृजभूषण शरण के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना था। अब दर्ज हो गई है. ऐसे में हम याचिका बंद कर रहे हैं।

भारतरत्न डॉ. आंबेडकर अवॉर्ड से सम्मानित किये गये सीएम योगी

एमएलसी डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने ग्रहण किया अवॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भारतरत्न डॉ आंबेडकर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मुंबई के श्री षणमुखानंद ऑडिटोरियम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भारतरत्न डॉ. आंबेडकर अवार्ड से सम्मानित किया है। योगी आदित्यनाथ का यह अवार्ड यूपी विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने लखनऊ से आकर ग्रहण किया।

डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के सरकारी महकमों में डॉ. आंबेडकर की फोटो लगाने का आदेश देकर बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में डॉ. आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र बना कर योगी आदित्यनाथ ने माई साहब डॉ. सविता आंबेडकर के सपनों को पूरा किया है। योगी आदित्यनाथ आज दलितों-वंचितों के मसीहा बन चुके हैं। बुद्धांजलि फाउंडेशन के अध्यक्ष और कार्यक्रम के आयोजक कैलाश मासूम ने कहा कि योगी आदित्यनाथ को भारत रत्न डॉ. आंबेडकर अवार्ड देकर हम गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

गुंडाराज खत्म करके प्रदेश को बनाया भयमुक्तः कोविंद

बुद्धांजलि रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे रामनाथ कोविंद ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में गुंडाराज खत्म करके प्रदेश को भयमुक्त बनाने का काम किया है। वहीं भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि योगी आदित्यनाथ हमारे मित्र हैं और उत्तर प्रदेश में गुंडे, माफिया आज उनके नाम से थर थर कांप रहे हैं।

बिलावल भुट्टो की यात्रा का ज्यादा मतलब न निकालें: जयशंकर प्रसाद

» बोले- बस एक सदस्य देश के विदेश मंत्री के रूप में यहां आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोवा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो दो दिनों तक भारत की जमीन पर रहने के बाद वापस अपने देश लौट गए हैं। भारत यात्रा के बारे में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि इसका बहुत कुछ मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा, वह (भुट्टो) एक सदस्य देश के विदेश मंत्री के रूप में यहां आए थे। इसे इससे ज्यादा कुछ न देखें, क्योंकि इसका इससे ज्यादा कोई मतलब है भी नहीं। बिलावल के आतंकवाद को हथियार बनाने के सवाल पर डॉ. जयशंकर ने कहा, हम कूटनीतिक फायदे के लिए नहीं कर रहे। हम राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब कर रहे हैं।

बिलावल भुट्टो गोवा में शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने आए थे, लेकिन जैसा कि पाकिस्तान की आदत है, वे यहां भी कश्मीर का राग छेड़ना नहीं भूले। बिलावल ने एक इंटरव्यू में आर्टिकल 370 का भी जिक्र किया और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात न होने के पीछे इसे वजह बताया. वहीं, भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने बिलावल पर तंज कसते हुए उन्हें नींद से जागने की सलाह दे डाली।

आर्टिकल 370 इतिहासः भारतीय विदेश मंत्री

बिलावल भुट्टो ने अनुच्छेद 370 रद्द करने की मांग उठाई तो भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष को फटकार लगाते हुए नींद से जागने की सलाह दे डाली। एससीओ की बैठक के बाद जयशंकर ने अंग्रेजी मुहावरे वेक अप एंड स्मेल द कॉफी (नींद से जागो और कॉफी की खुशबू लो) का जिक्र करते हुए कहा कि ऑर्टिकल 370 अब इतिहास है। जो लोग इसकी बात कर रहे हैं, उन्हें नींद से जाग जाना चाहिए।

जारी रहेगी मौसम की आँख-मिचौली

दिल्ली-एनसीआर में सुबह गर्मी, दोपहर में बारिश, 5 दिनों के लिए जारी हुआ नया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शुक्रवार को दिन भर धूप खिली रहने के बाद शनिवार को अचानक मौसम ने करवट बदली है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों व नई दिल्ली में दोपहर में अचानक बादल छाए व बारिश होने लगी। वहीं नोएडा में तेज हवा के साथ कई इलाकों में हल्की बारिश शुरू हो गई है। वहीं मौसम विभाग ने शनिवार के मौसम को लेकर पहले ही अलर्ट किया था। जिससे मौसम एक बार फिर से खुशनुमा हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने पहले ही दिल्ली-एनसीआर में अलर्ट जारी करते हुए बारिश का पूर्वानुमान जारी किया था।

शनिवार की सुबह मौसम बिल्कुल सामान्य रहा। आमतौर पर मई के माह में भीषण गर्म हवाओं की चपेट में रहने वाली दिल्ली की सुबह बिल्कुल मीठी सी सिहरन में लिपटी हुई नजर आई। हालांकि कई जगहों पर सुबह में धुंध देखने को मिली जो दर्शाता है कि अभी भी दिल्ली में प्रदूषण खत्म नहीं हुआ है।

सबसे गर्म होगा मई का महीना!

दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में सामान्य रूप से मई का महीना साल में सबसे ज्यादा गर्म होता है। मई में औसतन अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस होता है, लेकिन मौसम विभाग के अनुसार शनिवार यानी छह मई को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। दिल्ली के अगर रिज इलाके की बात कि जाए तो मौसम विभाग के अनुसार यहां का तापमान न्यूनतम 17.1 डिग्री और अधिकतम 34.2 रहने की संभावना है जो पूरे दिल्ली के मौसम विभाग के सभी स्टेशनों की तुलना में सबसे न्यूनतम है।

वापस आ सकते हैं लू के दिन

अगर बीते दिनों से शनिवार के तापमान की तुलना की जाए तो तापमान में एक बार फिर उछाल देखने को मिला है। अप्रैल 2023 के अंत में गर्मी और लू ने लोगों को ये संकेत दिया था कि इस साल गर्मी का प्रकोप बढ़ सकता है, लेकिन मई 2023 के शुरुआत के मौसम में लोगों बारिश और मानसून देखकर खुश हो गए थे। लेकिन मौसम विभाग के अनुसार एक बार फिर गर्मी और लू के दिन वापस आ सकते हैं. 8 मई के बाद से तापमान का पारा ऊपर चढ़ सकता है। यानी अब ये कहा जा सकता है कि सुहावने मौसम का दौर खत्म होगा और मई की गर्मी अपनी असली रूप दिखने वाली है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।